

विजय शाह का ऐसा क्या महत्व है?

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। मध्य प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने उस फैसले का बचाव करने की तैयारी कर रही है, जिसमें उसने आर्मी ऑफिसर कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में सीनियर कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की विवादित टिप्पणी पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी थी।

कानूनी विशेषज्ञों, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जांच-पड़ताल के बाद, आने वाले दिनों में

- एम.पी. ने सारे छोड़े खोल रखे हैं, विजय शाह के पक्ष में?

राज्य सरकार का जवाब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए जाने की उम्मीद है। इस जवाब का मुख्य आधार पांच बिंदुओं वाला बचाव है, जिसमें बताया गया है कि कैबिनेट क्यों मानती है कि शाह पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।

सरकार का पहला तर्क यह है कि विवादित बयान के बाद विजय शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई व्यक्ति आगे नहीं आया। माना जा रहा है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट को बताएगी कि टिप्पणी को लेकर राजनीतिक और सार्वजनिक विवाद के बावजूद, किसी भी निजी शिकायतकर्ता ने मंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग नहीं की।

दूसरा तर्क यह है कि शाह ने अपने बयान में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम (शेष पृष्ठ 5 पर)

राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में भाजपा से बड़ा रोड़ा सहयोगी दल हैं

इण्डिया ब्लॉक के घटक, इस गठबंधन को, मुख्य रूप से भाजपा को पराजित करने का माध्यम तो मानते हैं, पर वे इसे राहुल गांधी को प्र.मंत्री बनाने का जरिया नहीं मानते

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए 7, लोक कल्याण मार्ग (पहले रेस कोर्स रोड) या ज्यादा सही कहें तो, नए भारत में प्रधानमंत्री कार्यालय तक का रास्ता हर गुजरते साल के साथ थोड़ा और मुश्किल होता जा रहा है।

कांग्रेस लगातार यह बात कह रही है कि 2029 में “इंडिया” गठबंधन की ओर से राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक उम्मीदवार होने चाहिए। फिर भी, इस महत्वाकांक्षा में सबसे बड़ी बाधा शायद भाजपा न हो। हो सकता है कि वे सहयोगी ही बाधा बनें, जिनका समर्थन राहुल गांधी को शीर्ष पद तक पहुंचने के लिए चाहिए होगा।

ताजा विवाद तमिलनाडु को लेकर

- यह सोच राहुल गांधी के प्र.मंत्री बनने में सबसे बड़ा रोड़ा है।
- यह सच है कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस ने काफी मजबूती हासिल की है तथा इस मजबूती की वजह से राहुल को लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद मिला। पर, मजबूत कांग्रेस का सीधा अर्थ यह नहीं होता कि राहुल गांधी विपक्ष के सर्वमान्य प्र.मंत्री उम्मीदवार भी बन गए हैं।
- अंततोगत्वा, इण्डिया ब्लॉक का प्र.मंत्री पद का उम्मीदवार बनना, इस बात पर निर्भर करेगा कि कांग्रेस कितनी सीटें जीतती है तथा चुनाव के बाद भी राजनीतिक सौदेबाजी में उसकी तुलनात्मक स्थिति क्या है?

है।

राज्य में कांग्रेस नेताओं ने दावा

किया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री (शेष पृष्ठ 5 पर)

नया नीतीश कुमार कौन होगा?

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। इक्कीस अगस्त से बिहार की राजनीति में हलचल मची हुई है, जब राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा ने राजगीर में अपनी पार्टी के तीन दिवसीय कैप में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विरासत के बारे में बात की थी।

ऊपर से तो कुछ खास होता नहीं दिख रहा, लेकिन अंदर ही अंदर कुछ पक रहा है: सवाल यह है कि नीतीश की राजनीतिक विरासत का अब क्या होगा,

- उपेन्द्र कुशवाहा ने यह स्थान पाने के लिए काफी तर्कपूर्ण राजनीतिक सोच प्रस्तुत किये।

जब वे राज्य की सक्रिय राजनीति के केन्द्र से हट गए हैं। उस विरासत के लिए मुकाबला अभी खुलकर शुरू नहीं हुआ है। लेकिन उसके लिए दावेदारी होने लगी है।

आरएलएम कैप में, कुशवाहा ने एक ऐसा नजरिया पेश किया, जिस पर चर्चा होनी ही थी। उन्होंने नीतीश के बारे में और इस बारे में बात की कि नीतीश की विरासत को कौन आगे बढ़ाएगा। उनकी बात उत्तराधिकार का कोई सीधा दावा नहीं थी। फिर भी, इसके राजनीतिक निहितार्थ को नजरअंदाज करना मुश्किल था।

नीतीश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर न रहने के कारण, राजनेता और जनता (शेष पृष्ठ 5 पर)

अब हार्पर कॉलिन्स छापेगा सोनिया गांधी की आत्मकथा

जाने-माने प्रकाशक पैन्विन ने पहले यह छापने की घोषणा की थी, पर, कुछ अंशों पर तब्दीली करने की मांग की थी, जो सोनिया गांधी ने स्वीकार नहीं की तथा “डील” रद्द हो गई थी

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 4 सितम्बर। हार्पर कॉलिन्स इंडिया 10 नवंबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की यादों पर आधारित किताब “बिलॉगिंग: अ जर्नी ऑफ लव” पब्लिश करेगा।

इस किताब को एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी बताया गया है, जो भारत की यात्रा का एक आंतरिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। अनुमान है कि इसमें युद्ध के बाद के इटली में सोनिया गांधी के बचपन, नेहरू-गांधी परिवार में उनकी शादी और राजनीति में उनके आने की घटनाओं को कवर किया गया है।

दुनिया भर में पब्लिश होने से पहले ही, इस किताब ने काफी अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। शुरुआत में दिलचस्पी दिखाने के बावजूद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया के साथ इस किताब को पब्लिश करने की वार्ता के दौरान “गतिरोध” आ गया था।

- किताब, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारी चर्चित हो गई है, छपने से पहले ही।
- अनुमान है, आत्मकथा में, सोनिया गांधी ने, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की इटली तथा वहाँ उनके बचपन, फिर राजीव गांधी से शादी, उनका नेहरू-गांधी परिवार का हिस्से बनने, राजीव गांधी की हत्या तथा राजनीति में उनके प्रवेश पर काफी विस्तार से लिखा है।

हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 10 नवंबर को पब्लिश करेगा। हार्पर कॉलिन्स ने एक बयान में कहा, “राजनीतिक संस्मरण “बिलॉगिंग”, जिसका इस समय सबसे ज्यादा इंतजार है, प्यार, पहचान, कर्तव्य और अपनेपन की एक रोमांचक और बेहद निजी कहानी है, और यह भारत की यात्रा को देखने का एक अनोखा अंदरूनी नजरिया देती है।” कांग्रेस नेता की इस बहुप्रतीक्षित

किताब के भारत में पब्लिश होने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं। अमेरिका स्थित विख्यात पब्लिशिंग हाउस, “अल्फ्रेड ए नॉर्फ”, जो पैन्विन हाउस का एक ब्रांड है, ने कहा था कि यह किताब 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज की जाएगी। इस घोषणा के बाद, पैन्विन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि वह किताब को पब्लिश करने के लिए उत्सुक था, लेकिन बातचीत के दौरान “एक खास मुद्दे” पर गतिरोध पैदा हो गया था। (शेष पृष्ठ 5 पर)





नगर निकाय चुनाव में कमल खिलाना है विकास को आगे बढ़ाना है

भाजपा सरकार की नीति और नीयत से बदली राजस्थान की किस्मत

युवा शक्ति को अवसर, राजस्थान को नई उड़ान

कौशल विकास एवं शिक्षा

- 3.58 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण
- 88,724 विद्यार्थियों को टैबलेट/लैपटॉप वितरण
- 42,509 युवाओं को मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना का लाभ

रोजगार एवं भर्ती

- 1.88 लाख सरकारी पदों पर नियुक्तियां
- 1.22 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन
- 70,031 पदों पर भर्ती की तैयारी

पारदर्शी भर्ती

- भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए एसआईटी का गठन
- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय हुए पेपर लीक के 569 आरोपियों की गिरफ्तारी और 157 एफआईआर दर्ज
- 410 भर्ती परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित

टेक्नोलॉजी एवं भविष्य

- राजस्थान AI-ML पॉलिसी लागू
- AVGC-XR पॉलिसी से एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल रोजगार को बढ़ावा

स्टार्टअप एवं नवाचार

- राज्य में स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 8,780
- स्टार्टअप निवेश ₹250 करोड़ से बढ़कर ₹1,054 करोड़
- 9 इंक्यूबेशन सेंटर और 65 लॉन्चपैड स्थापित
- 1,062 स्टार्टअप्स को ₹33.94 करोड़ की फंडिंग



कमल का बटन दबाएं



भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान



पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिएं। –रोबिन शर्मा

राजस्थान विश्वविद्यालय के लिए नए कुलपति की तलाश

राष्ट्रीय स्तर पर विद्वता, प्रशासनिक एवं आर्थिक चुनौतियां से निपटने की कौशलता, जेन जेड व जेन अल्फा की अपेक्षाओं के अनुसार दूर दृष्टि रखने वाला हो अगला कुलपति/कुलगुरु

राजस्थान विश्वविद्यालय में सितंबर माह में नए कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ होने के साथ ही विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा जगत में इस पद को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह भी सुनने में आ रहा है कि अपने नाम के आगे कुलपति लिखे जाने का स्वप्न संजोये कुछ लोग इस महत्वपूर्ण पद के लिए राजनीतिक और अन्य स्तरों पर साम, दाम, दंड भेद के साथ सक्रिय हो गए हैं। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि किसी जमाने में राजस्थान विश्वविद्यालय का कुलपति केवल एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा की दिशा तय करने के साथ राज्य सरकारों को भी अपनी विद्वता से मार्गदर्शन देने का एक मजबूत जरिया माना जाता था, राज्य सरकारों ही नहीं बड़े-बड़े राजनेता भी कुलपतियों से मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में रहते थे, लेकिन पिछले कुछ समय से हालात ऐसे बदले हैं कि इस विश्वविद्यालय के कुलपतियों को मुख्यमंत्री की तो छोड़िए अधिकांशत उच्च शिक्षा एवं वित्त विभाग से जुड़े कनिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए भी लंबी प्रतीक्षा के दौर से गुजरना पड़ता है, हालांकि पदासीन कुलपति विश्वविद्यालय के कुछ गंभीर नीतिगत मामलों जैसे पेंशन का दायित्व राज्य सरकार द्वारा लिए जाने जैसे अन्य गंभीर विषयों को लेकर विश्वविद्यालय से जुड़े प्रतिनिधियों को यह कहते हुए जरूर नजर आते हैं, कि इस संबंध में आपने मुझे क्यों नहीं बताया, मैं आपकी शोष्र ही मुख्यमंत्री से वार्ता तय हो जाएगी।

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी, राज्य सरकार ने ग्रेज्युटी की राशि को बहाकर 25 लाख कर दिया है, लेकिन राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गंभीर आर्थिक हालातों के चलते पिछले लंबे समय से इस राशि को

एक समय अपनी उत्कृष्ट अकादमिक परंपरा, शोध गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध रहा राजस्थान विश्वविद्यालय आज प्रमुख रूप से गंभीर आर्थिक हालातों के साथ, अपनी शैक्षणिक गतिविधियों की गतिशीलता को लेकर आने वाली गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कुलपतियों द्वारा ही सार्वजनिक रूप से यह कहा जाना कि विश्वविद्यालय स्तर पर पेंशन की व्यवस्था अब कुछ महीनों के लिए ही संभव हो पाएगी।

विद्वतापूर्ण प्रतिष्ठा के आधार पर सीधे राज्य के मुख्यमंत्री स्तर पर विश्वविद्यालय से जुड़ी समस्याओं के समाधान की क्षमता रखता हो। यह सही है कि निजी शिक्षा माफियाओं के रचे गए सफल षडयंत्रों के कारण, पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वरूप से इसे वंचित करना, और बाद में इसके क्षेत्राधिकार को संकुचित करने के साथ ही, बिना किसी प्रभावी व्यवहारिक योजना के अभाव में इसके क्षेत्राधिकार से जुड़े सीकर भरतपुर अलवर जिलों के साथ क्षणिक राजनीतिक लाभ के लिए नए-नए विश्वविद्यालय खोल देने के कारण, इस विश्वविद्यालय के लगातार घटते संसाधनों और वित्तीय दबावों ने विश्वविद्यालय की स्थिति को अत्यंत कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियों में विश्वविद्यालय को ऐसे कुलगुरु/ कुलपति की आवश्यकता है जो केवल एक विद्वान ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक, दूरदर्शी योजनाकार और अनुचित दबावों में अपने पद की परवाह किए बिना सरकार विशेष रूप से राजस्थान के मुख्यमंत्री के समक्ष विश्वविद्यालय का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने की क्षमता रखता हो।

आगे आने वाली 3 सालों में विदेशी विश्वविद्यालयों तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त कुछ प्रतिष्ठित निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के राजस्थान, विशेषकर जयपुर, में विस्तार की संभावनाएं भी राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने नई प्रतिस्पर्धा प्रस्तुत करेंगी। इस चुनौती का सामना वही नेतृत्व कर सकता है जो वैश्विक उच्च शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों को गहराई से समझने की क्षमता रखता हो, और अपेक्षाओं के अनुरूप नवाचारों को अपनाने का सामर्थ्य भी उसमें हो, इन सारे आयामों के साथ कम से कम विश्वविद्यालय को ऐसा कुलपति न मिल जाए जो विश्वविद्यालय परिसर की 365 एकड़ भूमि के साथ संघटक महाविद्यालयों से जुड़ी लगभग ढाई सौ एकड़ भूमि, जिसका वर्तमान में अरबो रुपए बाजार मूल्य है, पर गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे प्रभावशाली भू माफियाओं के रचे जाने वाले षडयंत्रों का हिस्सा हो बन जाए। राजस्थान विश्वविद्यालय को आज किसी गुट, विचारधारा या व्यक्तिगत विद्वेषों के आधार पर दुर्भावना एवं शरारतपूर्ण कार्यवाही कर अपने ही विश्वविद्यालय से जुड़े साधियों को प्रताड़ित करने वाला प्रतिनिधि नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार का विश्वास जीतने वाला असली नेतृत्वकर्ता चाहिए, जो राज्य सरकार के अन्य वित्तपोषी विश्वविद्यालयों के लिए भी एक प्रेरणादायक मिसाल बन सके।

–अतिथि सम्पादक, डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान विश्वविद्यालय।



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल शनिवार 5 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 9:31 तक, वज्र योग दिन 12:47 तक, तैलिल करण दिन 11:04 तक, चन्द्रमा दिन 10:18 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-बुध, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह।

आज गोगा नवमी, नन्द महोत्सव, अश्वत्थ मारूती पूजन है। आज डा. राधाकृष्णन जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौषडिः शुभ 7:45 से 9:19 तक, चर 12:26 से 1:59 तक, लाभ-अमृत 1:59 से 3:06 तक।

राहुकाल: 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40



मेष

आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।



सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नैकीरीशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रमुख बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लाभवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कन्या

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मकर

आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।



मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी।



तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।



वृश्चिक

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में सुविधाएँ बढ़ेंगी। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।



श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेड्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या

राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए। शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहण शक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षालयों में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है।

सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन

में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूँ कि शिक्षक पाठ्यक्रम से पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों तो, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रष्ट्र ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत शिष्यात् इच्छेत पराजयम्'। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय को कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना,

तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओडिशा के राईगंगपुर में स्थित 'श्री ओरिबंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं।

मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूँ कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूँ और उनके विचारों को समझूँ। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अग्रतृ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने में वहां जाती रहती हूँ। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन

बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडल' बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है।

माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवन्त प्रतिमान होते हैं।

हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अटसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

–श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, (लेखक भारत को राष्ट्रपति हैं।)

सुरेश्वर : जहां बच्चों के सपनों के बगीचे में फैली है कला की खुशबू

कला को रचनात्मकता से जोड़ दे रहे हैं हकीकत की उड़ान



बनवारी यादव

अरावली की पहाड़ियों के पास बसे जालोर के एक छोटे-से गांव पांडेग्रा में करीब 100 बच्चे हर सुबह एक उम्मीद के साथ उठते हैं-आज स्कूल जाना है, कुछ नया सीखना है, कुछ नया बनाना है। लेकिन इन बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचना भी कठिन चुनौती हुआ करता था। आज सुरेश्वर में बच्चे सिर्फ किताबें पढ़ने नहीं आते। वे यहां अपनी कल्पनाएं लेकर आते हैं, कोई काराज पर रंग भरता है, कोई अपनी दुनिया चित्रों में उतार देता है, तो कोई ऐसे सवाल पूछता है जिनके जवाब शायद किताबों में भी आसानी से न मिलें। यहां हर सवाल को सुना जाता है। क्योंकि सुरेश्वर के लिए बच्चों को केवल सीधे जवाब देना जरूरी नहीं है, उनके भीतर सवाल पूछने की हिम्मत को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

सुरेश्वर की इस कहानी के पीछे

स्कूल ड्रेस जैसी जरूरतें भी कई बार बड़ी बोझ बन जाती थीं। पढ़ने की इच्छा थी, सपने थे, लेकिन उन सपनों के रास्ते में आर्थिक परेशानियां खड़ी थीं। इसी जरूरत को महसूस करते हुए वर्ष 2022 में सुरेश्वर की शुरुआत हुई। यह सिर्फ एक स्कूल खोलने की पहल नहीं थी, बल्कि उन बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने की कोशिश थी, जिनके लिए स्कूल की दहलीज तक पहुंचना भी कठिनी चुनौती हुआ करता था। आज सुरेश्वर में बच्चे सिर्फ किताबें पढ़ने नहीं आते। वे यहां अपनी कल्पनाएं लेकर आते हैं, कोई काराज पर रंग भरता है, कोई अपनी दुनिया चित्रों में उतार देता है, तो कोई ऐसे सवाल पूछता है जिनके जवाब शायद किताबों में भी आसानी से न मिलें। यहां हर सवाल को सुना जाता है। क्योंकि सुरेश्वर के लिए बच्चों को केवल सीधे जवाब देना जरूरी नहीं है, उनके भीतर सवाल पूछने की हिम्मत को बचाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

सुरेश्वर की इस कहानी के पीछे है खुशबू चारण, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभवों के दौरान एक बात को बहुत करीब से महसूस किया- बच्चों के बीच रहना और उनके सपनों को आकार लेते देखा। उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देता है। इसी एहसास ने उन्हें ऐसा स्कूल बनाने की प्रेरणा दी, जहां बच्चे सिर्फ पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी रचनात्मकता और कल्पनाओं के आकाश में खलकत उड़ सकें। आज सुरेश्वर में 100 बच्चों की अपनी एक छोटी-सी दुनिया है। यहां हंसी है, शरारतें हैं, रंग हैं, सवाल हैं और सबसे बढ़कर-सपने हैं। सुरेश्वर की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। यह उन 100 बच्चों के साथ हर दिन आगे बढ़ रही है, जो सुबह अपने छोटे-छोटे सपनों के साथ यहां आते हैं और शाम को अपने साथ कुछ नया लेकर लौटते हैं-कभी कोई चित्र, कभी कोई सवाल, कभी कोई नई सीख और कभी बस एक दिन भर की हरे सारी खुशियां।

खुशबू के लिए भी सुरेश्वर कोई



मंजिल नहीं, बल्कि एक सफर है। ऐसा सफर, जिसमें हर बच्चे के साथ एक नया जमाना जुड़ता जाता है।

शायद किसी दिन इन्हीं बच्चों में से कोई अपने गांव की पहली बड़ी उड़ान बनेगा। कोई डॉक्टर, कोई शिक्षक, कोई कलाकार या शायद कुछ ऐसा, जिसका सपना आज उसने खुद न देखा हो और तब सुरेश्वर की सबसे बड़ी कामना पूरी होगी। बल्कि वह बच्चा होगा जो कभी स्कूल आने से डरता या रुकता था। और उस उड़ान की यात्रा शुरू हो

चुकी है। ये बच्चे अब पूरे भरोसे से कह रहे हैं- मैं कर सकता हूँ, कम कर सकते हैं। वे हर बार सफल नहीं होते, लेकिन हर विफलता पर सफल होने के लिए जरूरी प्रयास बढ़ जाते हैं और असल सफलता यही है कि इन्होंने सफलता और विफलता के असर अर्थ और मकसद समझ लिए हैं। यही है खुशबू की बगिया की इन अनमोल फूलों की असली महक।

–बनवारी यादव, पीआरओ, सुरेश्वर स्टूडियो, डीआईटीआर

70 साल से 15 अगस्त पर्व पर, जन-जन में स्वस्फूर्त खुशी के माहौल में मनाया जाना देखते आया हूं

किंतु अब विभाजन विभीषिका को याद कर उसे आजादी पर्व के साथ जोड़ना कितना उपयुक्त ??



महावीर सिंह

प्रातः भ्रमण के समय एक गुरु के बीच चलने वाली वार्तालाप का सार है। यहां ऐसे गुरुस में कई प्रकार के लोग होते हैं। कुछ थोड़ा बहुत गम्भीर अध्ययन करने वाले, कुछ व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी डिग्रीधारी तो कुछ निखालस दिन दुनिया की व्यावहारिकता में पारंगत व्यक्ति और कुछ मेरे जैसे श्रोता। वैसे प्रातः भ्रमणकारियों, पान व चाय की दुकानों पर चर्चा करने वालों भी दूसरे इसी प्रकार के समूहों पर यह बात काफी हद तक लागू होती है-आधा सुनना, चौथाई समझना शून्य सोचना लेकिन प्रतिक्रिया दोगुनी देना ये चारों हानिकारक हैं। विचार का बिंदु था क्या जल्दी स्वतंत्रता के लिए कोसियों ने देश विभाजन की बात मानली और यह देश के प्रति महा पाप किया उन्होंने। प्रातः की सैर करने वालों के बीच में उठी ये बात आज भी उतनी ही उलझी हुई है जितनी 1947 में थी। विभाजन का दर्द सांस्कृतिक और भावनात्मक है। हजारों साल की साझी

सभ्यता, गंगा-जमुनी तहजीब, एक भूगोल का एकाएक दो टुकड़ों में बंट जाना उस समय के लोगों के लिए कितना दुखदाई रहा होगा उसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। 15 लाख लोगों का विस्थापन, खून-खराबा, परिवारों का उजड़ना के नजारे ऐसे देखें तो निश्चित ही यह एक महा त्रासदी थी। इस दृष्टि से विभाजन को राष्ट्र अथवा मानवता के देश की आत्मा पर घाव माना जा सकता है। एक तर्क दिया गया कि क्या बातचीत से कोई और रास्ता नहीं निकल सकता था? इस समूह के कुछ व्यक्तियों का तर्क था कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 90-95 प्रतिशत जनता ने स्वतंत्रता स्वागत किया था। वह जनता जो तीहरी गुलामी में बिना किसी प्रकार के अधिकारों के, नारकीय ज़िंदगी जी रहे थे। इस पक्ष का आधार सामाजिक और राजनीतिक था। सदियों से जिस बहुसंख्य आबादी को जाति, वर्ग और उपनिवेश- तीन स्तरों की गुलामी झेलनी पड़ी थी, उनके लिए 'स्वराज' का मतलब सबसे पहले था -वोट का अधिकार, जमीन का अधिकार, इज्जत का अधिकार। आजादी की लड़ाई में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने जनता को लामबंद किया था। वर्ष 1946 में भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्य रूप से प्रांतीय विधानसभाओं और संविधान सभा के लिए मतदान हुए थे। इन चुनावों ने भारत के राजनीतिक भविष्य और देश के विभाजन की दिशा तय की थी। जब 1946 के चुनावों में करोड़ों लोगों ने

पहली बार वोट दिया, तो वो इसी उम्मीद में था कि अब उनकी सुनी जाएगी। इसलिए उनके लिए स्वतंत्रता और विभाजन दोनों ही 'गुलामी के अंत' का प्रतीक बन गए थे। एक थोड़े से उग्र दराज व्यक्ति ने कुछ संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाया कि हिंदू महासभा और आरएसएस जैसे संगठन उस समय चुनावी राजनीति और जन-आंदोलन से दूरी पर थे। उनका फोकस कुछ अस्पष्ट से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और बाद में वैकल्पिक राजनीति पर रहा। जबकि कांग्रेस ने संविधान अज्ञा, भारत छोड़ो जैसे आंदोलन चलाए, और लीग ने 'पाकिस्तान' के नारे से मुस्लिम वोट को संगठित किया।

क्या विभाजन से अतिरिक्त कोई और विकल्प था आजादी था आजादी का और अगर था तो इंतजार क्यों नहीं किया?? विकल्प काण्ड पर थे, जमीन पर नहीं। 1946-47 आते-आते हालात इतने बिगड़ चुके थे कि 'इंतजार' का मतलब और अधिक खून-खराबा था। उस समय की परिस्थितया इतनी विकट हो गई थी उसको समझने के लिए इन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है:--

सांप्रदायिक आग -- कलकत्ता, नोआखली, बिहार, पंजाब में रोज दंगे हो रहे थे। कानून-व्यवस्था टूट रही थी।

ब्रिटिश फौज और पुलिस खुद पीछे हट रही थी। तो राह का विचार जड़ पकड़ चुका - 1940 लाहौर प्रस्ताव के बाद मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान' को ही अंतिम मांग बना दिया। 1946 के चुनाव में लीग को मुस्लिम सीटों की 90 प्रतिशत से ज्यादा मिली। इसका मतलब था करोड़ों मुसलमान अब 'एक साथ' रहना नहीं चाहते। कांग्रेस भी थक चुकी थी - बहुत से कांग्रेसी नेताओं ने सालों जेलों में बिताए, भारत छोड़ो आंदोलन में लाखों कार्यकर्ता शामिल हुए आजाद भारत के सपने को साकार करने के लिए किंतु इस मुकाम पर उन्हें एक भारत के सपने पर जोड़े रखना अत्यंत कठिन सा लगने लगा था। आम कार्यकर्ताओं की लड़ाई लड़ने की अपनी सीमाएं होती हैं। नेहरू-पटेल को लगा कि अगर अभी सत्ता नहीं ली तो देश गृहयुद्ध में चला जाएगा। रियासतें और अराजकता -- ब्रिटिश जा रहे थे। बीच में कोई खाली जगह नहीं छोड़ सकते थे। अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां ब्रिटेन के प्रतिरूढ़ होती जा रही थी। दूसरा विश्वयुद्ध खत्म, होते-होते ब्रिटेन खुद दिवालिप्या हो चुका था। चर्चिल का चुके, एटली की लेबर सरकार को 'जन्तरी से भारत छोड़ो' का जनादेश था। दुनिया भर में इंडोनेशिया, वियतनाम तथा दूसरे उपनिवेशक देश बस जगह आजादी की मांग तेज थी। ब्रिटेन को 'सम्मानजनक निकासी' चाहिए। इसके अंतर्गत भारत- कैबिनेट मिशन 1946 बना और कमरजोर केंद्र, प्रांतों को ज्यादा अधिकार के प्रस्ताव आए। एक भारत के अंतिम प्रयास थे लीग पहले मानी, फिर मुकर गई। कांठोस को भी पूरा भरोसा नहीं था कि

ये चलेगा। इंतजार करने का मतलब था और दंगे। पंजाब-बंगाल पहले ही जल रहे थे। ब्रिटिश रुकने को तैयार नहीं थे। 1947 तक ब्रिटेन में भी जनमत 'भारत छोड़ो' के पक्ष में था। आर्थिक रूप से रुकना उनके लिए संभव नहीं था। 'इंतजार' करने का मतलब था - बिना सरकार के, बिना फौज के, दंगों के बीच 40 करोड़ लोगों को छोड़ देना। नेहरू, पटेल, जिन्ना, गांधी - सभी ने देर से ही सही ये मान लिया कि बंटवारे के साथ आजादी अथवा बिना बंटवारे के गृहयुद्ध, विकल्प थे। इसलिए आज हम दोनों बातें एक साथ रख सकते हैं - विभाजन का दुख भी, और आजादी का जश्न भी। इतिहास केवल काला-सफेद नहीं होता। विभाजन एक त्रासदी भी था और लाखों के लिए मुक्ति भी। एक तरफ भूगोल बंटो, दूसरी तरफ करोड़ों लोगों को पहली बार नागरिक बनने का मौका मिला। शायद सबसे सही बात यह थी कि है कि हम विभाजन के दर्द को भूलें नहीं। और साथ ही उन 90 लोगों की आकांक्षा को भी खारिज न करें जिनके लिए 15 अगस्त 1947 सचमुच पहली आजाद सुबह थी। इतिहास को कोसने से बेहतर है उससे सीखें - हमारे ऐसे वैसे कृत्यों के कारण पुनः देश के टुकड़े न हों, और कोई भी नागरिक बिना अधिकारों के नहीं रहे।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएसएस

सार-समाचार

चोरी हुई मोटरसाइकिल की 75 प्रतिशत बीमा राशि देने के आदेश

जोधपुर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग की जोधपुर पीठ ने चोरी हुई मोटरसाइकिल के बीमा दावे से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कंपनी को दावे की 75 प्रतिशत राशि का भुगतान करने के आदेश दिए हैं। आयोग ने बीमा कंपनी द्वारा दावा अस्वीकार किए जाने को सेवा में कमी मानते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश को अपास्त कर दिया। मामले में अपीलार्थी शंकरलाल खत्री ने जिला आयोग के निर्णय के विरुद्ध राज्य आयोग में अपील प्रस्तुत की थी। परिवारी ने यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कंपनी से अपनी बुलेट मोटरसाइकिल का बीमा करवाया था। वह मोटरसाइकिल किराए पर देने का कार्य करता था। एक व्यक्ति मोटरसाइकिल किराए पर लेकर गया, लेकिन बाद में उसे वापस नहीं लायाथा। परिवारी ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने के साथ ही बीमा कंपनी को भी मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना दी। बीमा कंपनी ने जांच के बाद यह कहते हुए दावा अस्वीकार कर दिया कि मोटरसाइकिल का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था और उसके पास आवश्यक परमिट नहीं था। इस आधार पर जिला आयोग ने भी परिवारी का परिवार अस्वीकार कर दिया था। राज्य आयोग ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपने निर्णय में कहा कि मोटरसाइकिल का पंजीयन ही किराए पर देने के उपयोग के लिए किया गया था। उसके फिटनेस प्रमाण पत्र में भी यह तथ्य अंकित था। पंजीयन प्रमाण पत्र में दोपहिथा परिवहन दर्ज था। बीमा पॉलिसी में सार्वजनिक एवं निजी उपयोग के कॉलम में सार्वजनिक उपयोग अंकित था। इन दस्तावेजों से स्पष्ट होता है कि परिवारी ने मोटरसाइकिल का बीमा किराए पर देने के उद्देश्य से ही करवाया था। आयोग ने कहा कि ऐसी स्थिति में बीमा कंपनी द्वारा दावा अस्वीकार करना सेवा में कमी है। विभिन्न न्यायिक दृष्टांतों का हवाला देते हुए राज्य आयोग ने जिला आयोग के आदेश को अपास्त कर दिया तथा बीमा कंपनी को परिवारी के दावे को गैर-मानक आधार पर स्वीकार करते हुए 75 प्रतिशत राशि का भुगतान करने के आदेश दिए। अपीलार्थी की ओर से अधिवक्ता अनीष अहमद तथा बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता अमित मेहता ने पैरवी की।

किसी को फूल गोभी तो किसी को सेब चिन्ह **जोधपुर, (कासं)।** नगर निगम चुनावों को लेकर नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। शुक्रवार को निर्दलीय प्रत्याशियों को सिंबल आवंटित किए गए। जिन वाडों में प्रत्याशी ज्यादा थे वहां लॉटरी निकालकर सिंबल बांटे गए। इन सिंबलों में फल, वस्तुएं आदि हैं। शुक्रवार को सिंबल प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशियों को सिंबल आवंटित किए गए। इस दौरान किसी को सेब तो किसी को फूल गोभी और गुब्बारा सिंबल मिला। जैसे ही प्रत्याशियों को सिंबल मिले तो कोई सेब और तो कोई फूल गोभी लेकर अपने सिंबल को दिखाया। रिटर्निंग ऑफिसर रामकिशोर मीणा ने बताया कि जोधपुर नगर निगम चुनाव में स्कूटनी के बाद 573 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें से दो दिन में 188 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। अब 385 कैडिडेट 100 वार्डों के लिए मैदान में बचे हैं। कलेंड्रेट में एक पति-पत्नी सिंबल लेने दंडवत करते हुए सहायक रिटर्निंग अधिकारी के पास पहुंचे। वार्ड के लोगों के सहयोग के साथ उनकी पत्नी 91 नंबर वार्ड से निर्दलीय चुनाव लड़ रही है। इन चुनाव में उन्हें बैच सिंबल मिला है। अग्रण ने बताया कि दोनों पति-पत्नी ने सांबलिया सेट से जीत की मनोकामना मांगी है। वहीं नामांकन भरने से पहले भी सांबलिया सेट का आशीर्वाद लिया था। सिंबल लेने भी वे कलेक्ट्रेट गेट से लेकर सहायक रिटर्निंग अधिकारी ऑफिस तक दंडवत करते हुए पहुंचे।

मतदान प्रशिक्षण व कार्यों पर चर्चा की **जैसलमेर, (नि.सं.)।** उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) परसराम सैनी ने सचिव, नगर विकास न्यास, आयुक्त नगरपरिषद एवं अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसलमेर को पत्र प्रेषित कर निर्देशित किया है कि नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के सम्बन्ध में मतदान दलों का अन्तिम प्रशिक्षण, रवानगी तथा सग्रहण स्थल एस.बी.के. राजकीय महाविद्यालय जैसलमेर में समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नगरपरिषद जैसलमेर के प्रथम चरण में होने वाले मतदान के लिये मतदान दलों का अन्तिम प्रशिक्षण एवं रवानगी 8 सितम्बर को होगी। वहीं मतदान दलों की वापसी एवं सामग्री संठाहण 9 सितम्बर को मतदान समाप्ति के पश्चात होगा। इसी प्रकार नगरपालिका वकैरण के द्वितीय चरण में 11 सितम्बर को होने वाले मतदान के लिये मतदान दलों का अन्तिम प्रशिक्षण एवं रवानगी 10 सितम्बर को होगी। वहीं मतदान दलों की वापसी एवं सामग्री सग्रहण 11 सितम्बर मतदान समाप्ति के पश्चात एस.बी.के. राजकीय महाविद्यालय जैसलमेर में होगा। उन्होंने इसके लिये निर्धारित स्थल पर विद्युत, पेयजल व्यवस्था, माईक, कुर्सियों, टैट, स्टेज एवं समस्त प्रकार की सामान्य व्यवस्थाएं निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिलाओं से बदसलूकी, लोगों में रोष **जोधपुर, (कासं)।** शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र के श्याम मनोहर नगर में गुरुवार की देर रात शराब के नशे में आए स्कार्पियो चालक ने एक घर की महिलाओं से बदसलूकी कर गाली गलौच किया। महिलाओं द्वारा उसका विरोध जताने के साथ उसे पकड़ा गया। इस बात को लेकर परिवार के लोग देर रात राजीव गांधी नगर थाने पहुंचे और शिकायत दी। मगर पुलिस द्वारा भी उचित व्यवहार नहीं किया गया। पुलिस आरोपी गाड़ी चालक को बुलाकर समझौते की बात करने लगी। जानकारी के अनुसार देर रात वीडियो वायरल हुआ। इसमें पता लगा कि चौपासनी गांव के श्याम मनोहर नगर में रहने वाले एक परिवार की महिला अपने पति, बहन और बच्चों के साथ घर से रवाना हुए थे। तब एक सफेद रंग की स्कार्पियो का चालक नजदीक आया और बदतमीजी करने के साथ गाली गलौच करने लगा। उसका विरोध किए जाने पर वह मारपीट पर उतारू हो गया। घटना के चलते आस पास के काफी लोगयाग एकत्र हो गए। मौके पर काफी गहमगाहमी का माहौल बन गया। लोग बाद में राजीव गांधी नगर थाने पहुंचे मगर यहां पर भी ड्यूटी पर मौजूद एएनआई ने सही व्यवहार नहीं किया। पीड़ित एक महिला की तरफ से देर रात थाने में कार्रवाई को लेकर शिकायत दी गई।

शराब के असर से युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के मसूरिया नट बस्ती एरिया में एक युवक ने अत्यधिक शराब का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। देवनगर पुलिस ने बताया कि मध्यप्रदेश के मंदसौर स्थित सुरजना शामगढ़ निवासी सौदनसिंह की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई नारायण सिंह यहां जोधपुर में रहकर मजदूरी करता था। उसने मसूरिया नट बस्ती एरिया में टेके से शराब लेकर ज़्यादा सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन को सुपुर्द किया।

सड़क से गंदा पानी साफ किया

रेवदर, (नि.सं.)। ग्राम पंचायत दतानी में बदहाल सफाई व्यवस्था और उससे पनपते बीमारियों के खतरे को लेकर खबर की गंभीरता को देखते हुए निम्नोदर अधिकारियों ने तुरंत सज्ञान लिया और दंतानी, वास तथा पालडी गांवों में युद्धस्तर पर सफाई अभियान शुरू करवा दिया। वास गांव में स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार के आसपास जमा कचरे के ढेरों को जेसीबी और सफाई कर्मियों की मदद से पूरी तरह साफ कर दिया गया है, जिससे स्कूली बच्चों को अब दुर्गंध से राहत मिली है। वहीं, दंतानी गांव में महादेव मंदिर के सामने बंद पड़े बरसाती नाले की सफाई कराकर पानी की निकासी सुचारू की गई, जिससे मुख्य सड़क पर बहता दूषित पानी पूरी तरह बंद हो गया है। लंबे समय से नरकीय जीवन जीने को मजबूर ग्रामीणों ने सफाई कार्य पूरा होने पर राहत की सांस ली है।

भारतीय किसान संघ की बैठक हुई

रेवदर, (नि.सं.)। भारतीय किसान संघ तहसील रेवदर के डांगराली ग्राम इकाई ने भारतीय किसान संघ का स्थानपा दिवस जिला उपाध्यक्ष गणपतसिंह देवडा डांगराली एवं ग्राम इकाई अध्यक्ष शैतानसिंह देवडा डांगराली की अध्यक्षता में मनाया। बिजली विभाग द्वारा सप्लाई की गई वॉल्टेज सप्लाई दी जाती है जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, आवारा पशुओं की संख्या से किसानों की फसल सौपट हो रही है, डांगराली में आरो मशीन बंद पछी है, बिजली लाईनमैन को बिजली कम्पलेन देने पर समय से नहीं आता है, नालियों में कचरा जमा होने से गंदा पानी रास्ते में जमा होने की समस्या पर चर्चा की गई।

कृष्ण जन्मोत्सव पर गूंजे कान्हा के जयकारे, शोभायात्रा का हर्षोल्लास से स्वागत किया



जालोर में जन्माष्टमी पर आयोजित शोभायात्रा में दही हांडी फोड़ी।

फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (साबीर) । जालोर शहर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर सनातन महोत्सव समिति प्रेरित विश्व हिंदू परिषद द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

सनातन महोत्सव समिति सयोजक अम्बालाल व्यास ने बताया कि शोभायात्रा सुबह तिलकद्वार स्थित भारत माता चौक से श्रीकृष्ण भगवान के पूजन के प्रारम्भ होकर हरिदेव जोशी सर्कल, पंचायत समिति, बड़ी पोल, सदर बाजार, गांधी चौक, सूरजपोल, राणा पुंजा सर्कल, देवनारायण मार्ग , राजेन्द्र नगर व अस्पताल चौराहा होते हुए पुनः तिलकद्वार के अंदर रामदेवजी मन्दिर प्रारंभ में श्रीकृष्ण भगवान की महाआरती व प्रसाद वितरण के बाद

घर के ताले टूटे सोने के आभूषण चोरी

जोधपुर, (कासं)। लूणी थाना क्षेत्र के उत्तेसर गांव में अज्ञात चोर एक मकान के ताले तोड़कर करीब 6 तोला सोने के आभूषण चोरी कर ले गए। वारदात उस समय हुई, जब मकान मालिक की पत्नी बच्चों से मिलने जोधपुर आई हुई थी। घर की देखरेख पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार करते थे।

लूणी पुलिस ने बताया कि सेनई रोड, उत्तेसर निवासी भगाराम चौधरी पुत्र तुलछाराम ने रिपोर्ट दर्ज करवाया कि उनका गांव में भी मकान है और परिवार के कुछ लोग जोधपुर में रहते हैं। 31 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे उनकी पत्नी बच्चों से मिलने जोधपुर आई थी। घर के मुख्य कमरों की चाबियां भी वह अपने साथ जोधपुर ले आई थी, जबकि बाहर लॉबी की चाबी पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार के पास थी। 2 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे रिश्तेदार की पत्नी घर पहुंची तो उस समय सब कुछ व्यवस्थित था। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे दोबारा घर पहुंचने पर मुख्य कमरों के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा हुआ था। सूचना मिलने पर भगाराम चौधरी की पत्नी ने उन्हें फोन किया। उस समय वह बालोतरा में थे। उन्होंने तत्काल लूणी पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उनकी पत्नी करीब 4 बजे गांव पहुंची और घर की जांच की तो सोने का खड़ीई सेट करीब 4 तोला और कंठी करीब 2 तोला गायब मिली। अज्ञात चोर ताले तोड़कर आभूषण चोरी कर ले गए। सूचना मिलने पर पुलिस करीब 5 बजे मौके पर पहुंची।

सैन्यकर्मी को ब्लैकमेल किया

जोधपुर, (कासं)। जिला पूर्व में एक सैन्यकर्मी को युवती से दोस्ती करनी अब भारी पड़ रही है। युवती उसे ब्लैकमेल पर उतर आई है और केसबाजी के लिए धमका रही है। तंग व परेशान होकर सैन्यकर्मी ने उसके बैंक खाते में 50 हजार रूपए डाले। वह ब्लैकमेल कर अब और धमका रही है। पीड़ित सैन्यकर्मी की तरफ से बनाइ थाने में इस बाबत केस दर्ज

पाली में चुनाव चिन्ह मिलते ही तेज हुआ प्रचार

पाली, (नि.सं.)। नगर निगम आम चुनाव 2026 को लेकर नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी तस्वीरी पूरी तरह साफ हो गई है। शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय में प्रत्याशियों को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया गया। चुनाव चिन्ह मिलते ही प्रत्याशियों और समर्थकों में उत्साह नजर आया।

नगर निगम चुनाव रिटर्निंग अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि नगर निगम चुनाव के तहत कुल 244 प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी के 64, कांग्रेस के 59 तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, भीम आदिवासी और आम आदमी पार्टी के एक-एक प्रत्याशी शामिल हैं। वहीं 118 निर्दलीय प्रत्याशियों को भी चुनावचिन्ह आवंटित किए गए।

नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के 64 प्रत्याशी, कांग्रेस के

सम्पन हुई।

व्यास ने बताया कि शोभायात्रा के दौरान डीजे की धुन पर युवा नाचते-गाते श्रद्धा में झूम उठे, वहीं कान्हा की टेलियों ने जगह-जगह बंधी हांडियां फोड़कर परंपरा को जीवंत किया। शोभायात्रा में चामुंडा माता मंदिर के पवनपुरी महाराज, भैरुनाथ अखाड़े के गोपालनाथ महाराज व मुन्ना महाराज सहित अनेक संत-महात्मा रथ में विराजमान रहे। साथ ही ट्रैक्टरों पर भगवान श्रीकृष्ण और महापुरुषों की आकर्षक झांकियां सजाई गईं। इनमें श्रीकृष्ण भगवान की बालरूप की झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी। उन्होंने बताया कि पूरे मार्ग पर सेवा और भक्ति

का भाव देखने को मिला। शोभायात्रा का मार्ग में विभिन्न समितियों व मोहल्लावासियों शबंत, फल व्यवस्था व फूल बरसाकर स्वागत किया। पूरा जालोर श्रीकृष्ण भक्ति में डूबा नजर आया और गलियां हाथी-घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंजती रही।

शोभायात्रा में समिति के दिलीप शर्मा, दिनेश जोनगर, ओटाराम सोलंकी, बनवारी शर्मा, तरुण सिद्धांत, मनीष गुप्ता, पुखराज सुथार, जितेंद्र सेन, भोपाल प्रजापत, शांतिलाल घांची, नितेश भटनागर, भरत बोरणा, सुनील शर्मा, राजू भाई, योगेश खत्री, मुकेश माली, हनुमान सेन व दिलीप सोलंकी

जोधपुर के वार्ड 90 में भाजपा का चुनाव कार्यालय शुरू



जोधपुर में महामन्दिर क्षेत्र के दाधीच नगर स्थित वार्ड नंबर 90 की भाजपा प्रत्याशी स्वीटी दैय्या के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन जोधपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड ने किया।

जोधपुर, (कासं) महामन्दिर क्षेत्र के दाधीच नगर स्थित वार्ड नंबर 90 की भाजपा प्रत्याशी स्वीटी दैय्या के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन जोधपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष एवं सरदारपुर विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी रहे महेन्द्र सिंह राठौड द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए

डॉ. राठौड़ ने सभी उपस्थित जनसमूह को भाजपा प्रत्याशी को मत एवं समर्थन की संकल्प दिलाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रसन्नचन्द्र मेहता, सरदारपुरा विधानसभा प्रभारी बादल कुलकर्णी, पूर्व पार्षद भीमराज राखेचा, कबूलाल रैय्या, प्रकाश चावड़ा, पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच,

30 मिनट में खोज निकाला जेवरात से भरा बैग

जोधपुर, (कासं)। अभय कमांड एवं कंट्रोल सेंटर की तत्परता और अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों की मदद से जोधपुर कमिश्नरेट की पुलिस ने टैक्स्री में भूला सोने के आभूषणों एवं अन्य सामान से भरा बैग महज 30 मिनट में तलाश कर उसके मालिक को सुरक्षित लौटा दिया।

पुलिस आयुक्त अंशुमान भोमिया के निर्देशानुसार पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा यातायात व्यवस्था की प्रभावी निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय एवं यातायात शाहीन सी. के पर्यवेक्षण, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रेम धण्डे के निकट पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस उपायुक्त मांगीलाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

वार्ड संख्या 12, 17, 18, 19, 32, 36, 41, 52, 54 एवं 59 में लॉटर की माध्यम से चुनाव चिन्हों का आवंटन किया गया। निर्वाचन अधिकारियों की मौजूदगी में लॉटर की प्रक्रिया पूरी कर संबंधित प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए।

चुनाव चिन्ह आवंटन के दौरान विशेषाधिकारी कार्यालय निर्वाचन अधिकारी चौधरी बिरजू गोपाल, तहसीलदार सुनील कुमार, उप पंजीयक प्रथम शिवजीराम बावरी, तहसीलदार निर्वाचन नेहा चौधरी, सुरेश कुमार व्यास, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, मोहन्र बैरवा, जयवेन्द्र खेमलानी, मोहित जोशी, जयपाल सिंह, बबलू काठात, अर्जुन सिंह सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारी एवं कर्मिक मौजूद रहे।



पाली शहर में गीता संघ ने शोभायात्रा निकाली।

फोटो-राष्ट्रदूत

सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति, सनातनी धर्म प्रेमी उपस्थित थे।

पाली में सोमनाथ पर हांडी फोड़ी

पाली, (नि.सं.)। जन्माष्टमी पर्व को लेकर शहर के पानी दरवाजा स्थित वेंकटेश मंदिर से हर साल की तरह गीता संघ की ओर से शोभायात्रा निकाली।

फलोदी जिले के कलरा गांव में आवारा श्वानों का आंतक, एक बच्चे की मौत चुकी

फलोदी, (निसं)। जिले के कलरा गांव के ग्रामीण आजकल कुत्तों के आतंक से परेशान देखे जा रहे हैं। खासकर तब जब ये आवारा कुत्ते छोटे छोटे बच्चों को जो गांव के गलियारों में खेलते या विद्यालय आते जाते समय एक साथ बड़ी संख्या में झुंड की शकल में हमला कर घायल कर देते हैं।

पिछले दिनों विद्यालय से घर लौट रहे एक बच्चे को घात लगाकर काटे जाने के बाद गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसकी मौत हो गई। जिससे पूरे कलरा गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है।

ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार सुबह आवारा कुत्तों द्वारा दो बच्चों पर फिर हमला कर दिया जिससे उनके गले,सर व हाथ पैरों में गंभीर चोटें आई

राज्य उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी के विरुद्ध आदेश पारित किया

जोधपुर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता आयोग की जोधपुर पीठ ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि यदि बीमित व्यक्ति की मृत्यु का संबंध किसी पूर्व बीमारी से नहीं होकर स्वाभाविक मृत्यु हुई है, तो बीमा कंपनी केवल पूर्व में हुई बीमारी का हवाला देकर बीमा दावा अस्वीकार नहीं कर सकती।

आयोग ने बजाज लाइफ इश्योरेंस कंपनी की अपील खारिज करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को सही माना।

मामले में बजाज लाइफ इश्योरेंस कंपनी ने सिरोंही जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय के विरुद्ध राज्य आयोग में अपील प्रस्तुत की थी। बीमा कंपनी का कहना था कि बीमित तलकराम जून 2012 से दिसंबर 2012 तक क्षय रोग से पीड़ित रहा था। वर्ष 2015 में बीमा पॉलिसी लेते समय उसने इस बीमारी की जानकारी छिपाई थी। वर्ष 2015 में उसकी मृत्यु के बाद इसी आधार पर बीमा दावा अस्वीकार किया गया। वहीं, बीमित के पुत्र की ओर से आयोग को बताया गया कि उनके पिता ने दिसंबर 2012 तक करीब छह माह तक क्षय रोग का उपचार जरूर लिया था, लेकिन उपचार के बाद वे पूरी तरह स्वस्थ हो गए थे और उनका वजन

खत्री समाज का कार्यक्रम हुआ

जैसलमेर, (नि.सं.)। शीतला सचमी के उपलक्ष में ब्रह्मिश्नत्रय (खत्री) समाज द्वारा हिंगलाल मन्दिर, रत्तासर तलाई पर स्नेह मिलन समारोह 3 सितम्बर गुरुवार को मनाया गया।

इस अवसर खत्री समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी मुरलीधर बिछड़ा, मूलचंद बिछड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती अंजा भूत, पूर्व नगरपरिषद सभापति श्रीमती कविता दड़ा, खत्री समाज समाज उपाध्यक्ष धनपतराज दड़ा, मंत्री अमरचंद कीरी, कोषाध्यक्ष मोहनलाल बिछड़ा, सहमंत्री मोहनलाल

भूत, संगठन मंत्री ओमप्रकाश धण्डे, सदस्य डॉ. दामोदर वारडे, गौरीशंकर बिछड़ा, ओमप्रकाश कीरी, पुरषोत्तम बिछड़ा, फतेहचंद बिछड़ा, देवीलाल कीरी, ओमप्रकाश बिछड़ा, शंकरलाल बिछड़ा, दीपक दड़ा, चंद्रप्रकाश दड़ा, मनोहर बिछड़ा, सुरेश धण्डे, दीनदयाल बिछड़ा, कमल बिछड़ा, राजेन्द्र बिछड़ा, नेमीचंद धण्डे, मनोहर बिछड़ा, नाथू कीरी, अनुराग दड़ा, गीतम कीरी, मनोज कीरी, मनीष बिछड़ा, सत्यजीत दड़ा, ललित दड़ा, प्रेमराज बिछड़ा, सुभाष बिछड़ा, जितेंद्र डलोरा, एवं गणमान्य

समाज बंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित रहीं। रत्तासर विकास समिति के अध्यक्ष निम्बराज डलोरा ने मेले को सफल बनाने व सहयोग करने पर सभी समाज बंधुओं, भामाशाहों एवं महिला मंडल टीम का आभार प्रकट किया मंच का संचालन ओमप्रकाश धण्डे, अंजा भूत द्वारा किया गया।

सर्वप्रथम समाज बन्धुओं ने मां हिंगलाला एवं शीतला माता की पूजा अर्चना की। पूजा के पश्चात बालक एवं बालिकाओं के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

भारत-जापान के बीच ऐतिहासिक टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला 22 को

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारत और जापान की क्रिकेट टीमें के बीच 22 सितंबर को जापान के तोचिगी प्रांत के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में ऐतिहासिक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। यह मुकाबला भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के जश्न की शुरुआत करेगा। मुकाबले को 'सुजुकी कप' नाम दिया गया है।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैंकिया ने शुक्रवार को कहा, बीसीसीआई इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनकर बेहद खुश है, जब भारतीय और जापानी पुरुष टीमें जापान में एक विशेष टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए आमने-सामने होंगी। यह क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, क्योंकि भारतीय टीम एक नए क्षेत्र में जा रही है और इससे जापान तथा पूर्वी एशिया में बड़े दर्शक वर्ग तक इस खेल के पहुंचाने का अवसर मिलेगा।” उन्होंने कहा, ”भारत और



जापान के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे संबंध और मित्रता हैं। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर होने वाले समारोहों

में क्रिकेट भी हिस्सा बनेगा। इस मुकाबले को संभव बनाने के लिए हम जापान क्रिकेट संघ के प्रयासों के लिए उसका धन्यवाद करते हैं।”

उन्होंने आगे कहा, ”बीसीसीआई का मानना ​​है कि क्रिकेट का विकास उसके पारंपरिक क्षेत्रों से आगे तक होना चाहिए और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के रूप में हम इस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई आने वाले वर्षों में जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने तथा इस संबंध को आगे बढ़ाने के लिए जापान क्रिकेट संघ के साथ मिलकर काम करेंगे।

जापान क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नाओकी मियाजी ने कहा, विश्व चैंपियन टीम को जापान में क्रिकेट के घर कहे जाने वाले मैदान पर आमंत्रित कर पाना हमारे संघ के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। इस लक्ष्य की दिशा में हमारे साथ काम करने के लिए हम बीसीसीआई का धन्यवाद करते हैं और भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के उत्साह का स्वागत करने के लिए बेहद उत्सुक हैं।”

मंधाना का तूफानी शतक, हांगकांग को 147 रन से रौंदकर भारत सेमीफाइनल में



दुबई, 3 सितंबर। स्मृति मंधाना की रिकार्डतोड़ शतकीय पारी और भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने महिला एशिया कप 2026 में हांगकांग को 137 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 193 रन बनाए। मंधाना ने महज 46 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 124 रन की फिफ्टीकट पारी खेली। उनके अलावा शेफाली वर्मा ने 17 गेंदों पर 28 रन बनाए। प्रतिका रावल ने 10, ऋचा घोष ने 11 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 10 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 16.2 ओवर में सिर्फ 56 रन पर ऑलआउट हो गई।

मंधाना ने रचा इतिहास – स्मृति मंधाना की 124 रन की पारी सिर्फ छह जिताऊ नहीं रही, बल्कि रिकार्डों से भी भरपूर रही। यह उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18वां शतक था, जिसके साथ उन्होंने मेग लैनिंग (17 शतक) को पीछे छोड़कर महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इसके अलावा मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बनने का भी गौरव हासिल किया।

आरसीए सवाई माधोपुर जिला (अंडर-16 ट्रॉफी) टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल 7 को

जयपुर, 4 सितंबर। आरसीए के तत्वाधान में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सवाई माधोपुर जिला क्रिकेट संघ अंडर 16 टीम के चयन हेतु आरसीए द्वारा अधिकृत ओपन चयन ट्रायल आगामी 7 सितम्बर को प्रातः 10 बजे जयपुरिया क्रिकेट ग्राउंड , जयपुर पर आयोजन किया जायेगा। आरसीए द्वारा सवाई माधोपुर जिला अंडर 16 टीम की अधिकृत ओपन चयन ट्रायल के लिए अमर सिंह नेगी व अंकित लांडा को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाड़ी का जन्म दिनांक 1 सितम्बर 2010 से 31- 8 – 2022 के मध्य होना आवश्यक व खिलाड़ियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :- कंप्यूटर द्वारा जनरेट किया गया जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य), वास्तविक पहचान प्रमाण पत्र (अनिवार्य), पिछले तीन वर्षों के स्कूल/कॉलेज की मार्कशीट, आधार कार्ड/वोटर आईडी/ ड्राइविंग लाइसेंस/पासपोर्ट/पैन कार्ड।



दिशा क्रिकेट अकादमी ने जीता अंडर-12 चैंपियंस कप का खिताब

जयपुर, 4 सितम्बर। अंडर-12 चैंपियंस कप के फाइनल मुकाबला में शिवा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 36.5 ओवर में 188 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए। हार्षित अग्रवाल ने 46 और आरशर्मा ने 36 रनों का योगदान दिया। दिशा क्रिकेट अकादमी की ओर से वासु ने 3 और राघव यादव ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिशा क्रिकेट अकादमी ने 30.1 ओवर में 190 रन 4 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। हार्षित सैनी ने 98 और अननभ सिंह ने 31 रनों का योगदान दिया।

पाकिस्तान को धूल चटाने उतरेगा भारत

महिला एशिया कप में होगी दोनों टीमों की भिड़ंत, प्लेइंग-11 में होगा बदलाव

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय महिला टीम का एशिया कप में सामना अब चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमों के बीच ग्रुप चरण का यह मुकाबला शनिवार को दुबई में खेला जाएगा। भारतीय महिला अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है और वह बस अब औपचारिकता के लिए मैदान पर उतरेगी। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय महिला टीम का रिकार्ड एकतरफा है। लेकिन जब भी दोनों टीमें एक दूसरे का सामना करती हैं तो वो मैच बेहद रोमांचक होता है।

हार से सेमीफाइनल की दौड़ में पिछड़ सकता है पाकिस्तान

इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारतीय टीम इस मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। भारत ने पहले दो मैचों में भले ही



शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन उसमें कुछ जगह सुधार की भी जरूरत है। एशियाई स्तर पर हालांकि भारत के आसपास भी कोई टीम नजर नहीं आती। पिछली बार भारत किसी तरह श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उपविजेता रहा था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने अपने शुरुआती मुकाबले में थाईलैंड को हराया है और अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है।

शानदार फॉर्म में हैं भारतीय बल्लेबाज

भारत की सलामी बल्लेबाज

एशियाई खेलों से पहले निशानेबाजों के लिए अंतिम तैयारी शिविर भोपाल और नई दिल्ली में लगेगे

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने आगामी एशियाई खेलों से पहले भारतीय निशानेबाजों के अंतिम तैयारी शिविरों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इन शिविरों का उद्देश्य खिलाड़ियों की तकनीक को अंतिम रूप देना, मानसिक तैयारी को मजबूत करना और उन्हें प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार करना है। एशियाई खेलों में निशानेबाजी की स्पर्धाएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक जापान के आइची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग रेंज में आयोजित होंगी।

तैयारी शिविर देश के दो प्रमुख निशानेबाजी केंद्रों-भोपाल में मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी और नई दिल्ली की डॉ. कर्णा सिंह निशानेबाजी रेंज में आयोजित किए जाएंगे। खिलाड़ियों की स्पर्धाओं के अनुसार उन्हें संबंधित केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यति क्रिकेट एकेडमी 7 विकेट से विजेता

जयपुर, 4 सितम्बर। यति क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंडर -14 श्याम कप में खेले गये मैच मे यति क्रिकेट एकेडमी और अरावली नेक्सटजेन के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर अरावली नेक्सटजेन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। अरावली नेक्सटजेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107/10 28.1 ओवर में ऑल आउट हो गई। अरावली नेक्सटजेन की ओर से सूर्याश्व ने 29 रन, दिपेश कुशवाहा ने 20 रन बनाये। यति क्रिकेट एकेडमी और से गेदबाजी करते हुए कविश अग्रवाल ने 19 रन देकर 4 विकेट, और राजवीर सिंह ने 15 रन देकर के 3 विकेट लिया। यति क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 111/3 18.4 ओवर मे रन बनाये। यति क्रिकेट एकेडमी कि ओर से दक्ष जैन ने 46 रन ओर कान्हा श्रीवास्तव 18 रन बनाये। अरावली नेक्सटजेन ने गेदबाजी करते हुए वंश प्रताप ने 13 रन देकर के 1 विकेट, प्रशान्त परमार ने 29 रन देकर के 1 विकेट और देव ने 13 रन देकर के 1 विकेट लिया। यति क्रिकेट एकेडमी 7 विकेट से विजेता हुई।



अलेक्जेंडर ने वर्वेटिन हेली को पांच सेटों में हराया

न्यूर्यॉक, 4 सितंबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को यूएस ओपन के दूसरे दौर में फ्रांस के क्वेंटिन हेली ने कड़ी चुनौती दी। ज्वेरेव ने गुरुवार देर रात (भारतीय समयानुसार शुक्रवार तड़के) तक चले लिये में विश्व नंबर 52 हेली को पांच सेटों में 6-4, 4-6, 7-6 (7-3), 6-7 (3-7), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। 29 वर्षीय ज्वेरेव अपने शुरुआती दो मुकाबलों में अब तक करीब 10 घंटे कोर्ट पर बिता चुके हैं। तीसरे दौर में उनका सामना चिली के अलेजान्द्रो ताबिलो से होगा।

चाइना मास्टर्स: श्रीकांत त्वाट्टर फाइनल में हारे

ली चियुक यिउ ने सीधे गेम्स में दी मात

शेनझेन, 4 सितंबर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। श्रीकांत को शुक्रवार को शेनझेन एरेंना में हांगकांग के ली चियुक यिउ के खिलाफ 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत लगातार दो अंक हासिल करके की, लेकिन ली चियुक यिउ ने जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। हांगकांग के खिलाड़ी ने अपनी बढ़त कायम रखी और भारतीय खिलाड़ी की देर से की गई वापसी की कोशिशों के बावजूद पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी ली चियुक यिउ ने बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज कर चुके। मुकाबला सीधे गेम्स में अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ली चियुक यिउ के खिलाफ श्रीकांत का खराब रिकार्ड और बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी को हांगकांग के इस स्टाटलर के खिलाफ लगातार चौथी हार मिली है।

चाइना मास्टर्स: एन से यंग और अकाने यामागुची सेमीफाइनल में, खिताब की दौड़ हुई रोमांचक : दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग ने शुक्रवार को हमवतन किम गा युन को सीधे गेम्स में हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एक्ल सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, दुनिया की नंबर तीन जापान की अकाने यामागुची ने थाईलैंड की सुपानिदा कांतथोंग को मात देकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

राजस्थान की टीमें उपविजेता : दिल्ली और हरियाणा ने जीते खिताब

भीलवाड़ा, 4 सितम्बर। मेजबान राजस्थान की टीमों को नॉर्थ जोन बैडमिंटन चैंपियनशिप में उपविजेता रहकर ही संतोष करना पड़ा। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने राजस्थान को 3-2 से, लड़कियों के अंडर-19 में दिल्ली ने राजस्थान को 2-1 से हराकर मेजबान की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दिल्ली पुरुषों में हरियाणा को 3-1 से हराकर चैंपियन बनी। महिलाओं के फाइनल में पारुल चौधरी ने जिया रावत को 15-10, 15-12 से हराकर राजस्थान को शानदार शुरुआत दिलाई। स्नेहा लांबा ने मेधावी नागर को 15-9, 12-15, 15-11 से शिकस्त देकर राजस्थान की बढ़त को 2-0 कर दिया। एक समय लग रहा था कि राजस्थान की महिलाये एक मैच और जीतकर ऐतिहासिक सफलता हासिल कर

आज का खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वही, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैंड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले

क्या आप जानते हैं ?... पहला स्वर्ण पदक विजेता: साल 1951 के खेलों में तैराक सचिन नाग ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वतंत्र भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था।

पीटर सिडल

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वही, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैंड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले

क्या आप जानते हैं ?... पहला स्वर्ण पदक विजेता: साल 1951 के खेलों में तैराक सचिन नाग ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वतंत्र भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था।

बीसीसीआई की बैठक में क्यों शामिल नहीं हुए अगरकर? अनुबंध को लेकर नहीं हुई चर्चा, अनुपस्थिति ने बढ़ाई अटकलें

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार को मुंबई में समीक्षा बैठक बुलाई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के क्रिकेट निदेशक वीवीएस लक्ष्मण सहित शीर्ष बीसीसीआई अधिकारी शामिल हुए थे। लेकिन मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिसके लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

किसे लेकर बुलाई गई थी बैठक?

भारत को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में 0-2 से चौकाने वाली हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद इंग्लैंड के दौरे पर उसे पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार झेलनी पड़ी और वनडे सीरीज भी 1-2 से गंवानी पड़ी। इसकी समीक्षा को लेकर बीसीसीआई ने बैठक बुलाई थी। लेकिन अगरकर के इसमें



शामिल नहीं होने को लेकर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं। मालूम हो कि चयनकर्ता के तौर पर अगरकर का कार्यकाल खत्म होने वाला है। चूंकि अगरकर ने भी बीसीसीआई की बैठक में हिस्सा नहीं लिया इस कारण उनके अनुबंध विस्तार को लेकर चर्चा नहीं हो सकी।

सैंकिया ने अगरकर के नहीं जुड़ने का कारण बताया

बीसीसीआई मुख्यालय में बोर्ड द्वारा बुलाई गई इस समीक्षा बैठक के बारे में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैंकिया ने

बताया कि इसे काफी कम समय के नोटिस पर बुलाया गया था। सैंकिया के अनुसार, अगरकर शहर से बाहर थे और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी इस बैठक में नहीं जुड़ सके। सैंकिया ने बताया कि शहर से बाहर होने के कारण अगरकर इस बैठक का हिस्सा नहीं बन सके क्योंकि यह बैठक बहुत कम समय के नोटिस पर बुलाई गई थी। उन्होंने कहा, हमारे चयन समिति के प्रमुख अजीत शहर में नहीं थे इसलिए वह इसमें शामिल नहीं हो पाए। वह ऐसी जगह पर थे कि हमारी पूरी कोशिशों के बावजूद ऑनलाइन भी नहीं जुड़ सके।

बीसीसीआई ने उम्र में हेरफेर पर बंगाल के लेग स्पिनर रोहित पर लगाया 2 साल का प्रतिबंध



नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उम्र को लेकर कथित गलत जानकारी देने के मामले में बंगाल के लेग स्पिनर रोहित यादव पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। खास बात यह है कि कुछ सप्ताह पहले ही उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी शृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया था। उत्तर प्रदेश के रहने वाले रोहित ने जुलाई में भारत की अंडर-19 टीम के साथ श्रीलंका का दौरा किया था। उन्होंने वहां छह विकेट लिए थे और टीम को अंतिम टेस्ट जीतने में अहम योगदान दिया था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। रोहित को इस महीने के अंत में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाले भारत के घरेलू वनडे और बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल किया गया था। श्रीलंका दौरे के दौरान दस्तावेजों की जांच में उनकी उम्र को लेकर विसंगतियां सामने आईं। रोहित के पास जन्म के तीन अलग-अलग प्रमाणपत्र मिले, जिनमें जन्म वर्ष 2007, 2009 और 2010 दर्ज है।

ऑल इंडिया कैरम फेडरेशन की अपील स्वीकार

नई दिल्ली, 4 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने खेल महासंघ की स्वायत्तता और प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए ऑल इंडिया कैरम फेडरेशन (एआईसीएफ) की अपील को स्वीकार कर लिया है। पीठ ने पहले पीठ द्वारा 29 अक्टूबर 2025 को दिए गए उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसके तहत एआईसीएफ को अपने नाम, लोगो और प्रतियोगिताओं से इंडिया या इंडियन शब्द हटाने तथा खुद को सरकारी मान्यता प्राप्त भारतीय टीम के रूप में प्रस्तुत न करने का निर्देश दिया गया था।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति जेएन काकिया की पीठ ने स्पष्ट न किया कि खेल संहिता (भारत का राष्ट्रीय खेल विकास कोड, 2011) के एनेक्ससर- के तहत किसी भी राष्ट्रीय खेल

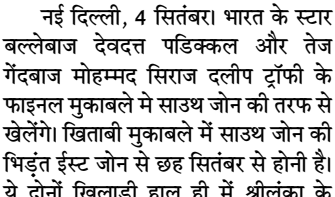
महासंघ की मान्यता को निलंबित या वापस लेने के लिए एक तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। अदालत ने कहा कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुसार, महासंघ को बिना कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर दिए बिना वार्षिक मान्यता का नवीनीकरण न होने मात्र से उसकी मान्यता को स्वतः समाप्त नहीं माना जा सकता। यह कानूनी विवाद वर्ष 2023 में आयोजित एआईसीएफ के चुनावों के बाद शुरू हुआ था।

खेल मंत्रालय (यूओआई) ने चन स्टेटे वन यूनिट नियम के कथित उल्लंघन (महाराष्ट्र को दो संस्थाओं की भागीदारी) का हवाला देते हुए एआईसीएफ के चुनाव और उसकी मान्यता के नवीनीकरण पर रोक लगा दी थी। इस आधार पर एकल पीठ ने एआईसीएफ को अपने नाम से इंडिया शब्द हटाने के निर्देश जारी किए थे। डिबीजन बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि खेल मंत्रालय

द्वारा 07 दिसंबर 2020 को भेजा गया पत्र केवल आपत्तियों का एक रिकार्ड था, न कि मान्यता वापस लेने का अंतिम आदेश। इसलिए, बिना किसी प्रक्रिया के एआईसीएफ को निष्कासित या अमान्य मानना कानूनन सही नहीं था।

इसके साथ ही, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि हालांकि एकल पीठ का पिछला आदेश रद्द कर दिया गया है, लेकिन इस बीच खेल मंत्रालय द्वारा 10 जुलाई 2026 को जारी नए आदेश (जिसमें 2023 के चुनावों को खारिज किया गया है) की वैधता की जांच लंबित याचिका डब्ल्यू.पी. (सी।)10610/2026 में स्वतंत्र रूप से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, कोर्ट ने उल्लेख किया कि एआईसीएफ को भविष्य में राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 (एनएसजी एक्ट) और इसके नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

दलीप ट्रॉफी : फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज, ईस्ट जोन से छह से मुकाबला



नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारत के स्टार बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे। खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से छह सितंबर से होनी है। ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था। इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे। पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

किसकी जगह किए गए शामिल सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल चार विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है। ईएसपीएन

इंडोनेशिया मास्टर्स के त्वाट्टर फाइनल में हारी अरिमतता चालिहा, शू वेन जिंग ने दी मात

पोंटियानक, 4 सितंबर। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 38 अरिमतता चालिहा को इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 के क्वार्टर फाइनल में चीन की विश्व नंबर 81 शू वेन जिंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। शू वेन जिंग ने शुक्रवार को चालिहा को 21-10, 21-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ी शुरुआती चरण में 3-3 और 5-5 से बराबरी पर थीं। इसके बाद शू वेन जिंग ने लगातार अंक जुटाते हुए 8-5 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक चीनी खिलाड़ी 11-7 से आगे थीं और ब्रेक के बाद उन्होंने अपनी बढ़त को लगातार मजबूत किया। शू वेन जिंग ने 17-9 और फिर 20-9 की बढ़त हासिल कर पहला गेम 21-10 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में शू वेन जिंग ने तेज दिन बाद शुरू होनी है। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं।

पुरुषो के फाइनल में दिल्ली ने हरियाणा को 3-1 से करारी शिकस्त दी। मानव चौधरी ने देवांपू चौधरी को 15-11, 15-11 से हराया जबकि वंश देव ने मरराज सिंह को 19-17, 15-10 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। युगल में हरियाणा के देववृत्त और सौरभ ने परम चौधरी और दिव्यांश रावत को 13-15, 15-7, 15-12 से, भारत राघव ने दिगंरा मधुर को 15-6, 8-10, 15-10 से हराकर दिल्ली की खिताबी जीत तय कर दी। अंडर-19 लड़कियों के फाइनल में दिल्ली ने राजस्थान को 2-1 से शिकस्त दी। राजस्थान की पारुल चौधरी ने हरिका को 15-10, 15-10 से हराकर अच्ची शुरुआत दी लेकिन बाद में रिषिका नंदी और इषिता नेगी को जोड़ी ने पारुल चौधरी और काव्या स्वामी को 18-16,

15-11 से और इषिता नेगी ने स्नेहा लांबा 15-10, 15-7 से हराकर राजस्थान की खिताबी जीत का सपना तोड़ दिया। लड़कों के फाइनल में हरियाणा ने पंजाब को 2-1 से हराया। आयोजन सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि शनिवार की सुबह 9 बजे से व्यक्तिगत मुकाबले खेले जाएंगे। शुक्रवार की शाम को हुए पुरुष्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि आयोजन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निषांत मेवाड़ा और नारकोटिक्स विभाग के सुशील वर्मा ने पुरुष्कार वितरण किया। इस मौके पर भारतीय बैडमिंटन संघ के संयुक्त सचिव और राजस्थान बैडमिंटन संघ के सचिव के.क. शर्मा, पूर्व पारंपद दारा सिंह राजपूत, हीरालाल, भूपेन्द्र सिंह पंवार व रितेष क्षीत्रिय भी मौजूद थे। देर रात तक व्यक्तिगत मुकाबले जारी रहे।

मुख्यमंत्री का भीलवाड़ा-उदयपुर में रोड शो, मदन राठौड़ अजमेर, नागौर जाएंगे

भाजपा ने नगर निकाय चुनावों के प्रचार में वरिष्ठ नेताओं को उतारा

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव प्रचार अब पूरी तरह जोर पकड़ चुका है। भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं को चुनावी मैदान में उतारते हुए, शनिवार, 5 सितंबर के लिये व्यापक प्रचार अभियान की रणनीति बनाई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ अजमेर और नागौर के प्रवास पर रहेंगे, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भीलवाड़ा और उदयपुर में रोड शो कर पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में माहौल बनाएंगे। मुख्यमंत्री दोनों शहरों में रोड शो के साथ संगठनात्मक बैठकों में भी चुनावी प्रचार का फीडबैक लेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शनिवार को अजमेर और नागौर में चुनाव प्रचार अभियान में शामिल होंगे।

अमेरिका की सहायता के लिये होर्मुज में सेना तैनात करेगा द.कोरिया

द.कोरिया होर्मुज से सुरक्षित समुद्री रास्ता सुनिश्चित करने के लिये सैन्य योगदान देने को तैयार है

सियोल (दक्षिण कोरिया), 04 सितंबर। दक्षिण कोरिया होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में अमेरिका की मदद करने के लिए वहां सैन्य कर्मियों की तैनाती पर विचार कर रहा है।

“द कोरिया हेराफ़्ट” ने शुक्रवार को राष्ट्रपति कार्यालय चेअॅंग वा डे के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में इस अधिकारी की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिकारी ने कहा कि यह कोरियाई प्रायद्वीप पर रक्षा तैयारियों की स्थिति और घरेलू कानूनी जरूरतों के आधार पर तय किया जाएगा।

- भाजपा की रणनीति है कि पार्टी पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतर कर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करें।**

उनके प्रवास के दौरान, पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में जनसंपर्क और चुनावी गतिविधियों को गति देने के साथ ही, स्थानीय संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी संवाद किया जाएगा। भाजपा की कोशिश है कि प्रदेश पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मैदान में उतरकर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल तैयार करें। टिकट वितरण के बाद जहां कहीं नाराजगी या बग़ावत की स्थिति बनी है, वहां भी नेताओं के प्रवास को

संगठनात्मक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह जयपुर से रवाना होकर करीब 11.50 बजे भीलवाड़ा पहुंचेंगे। दोपहर 12 बजे से उनका रोड शो शुरू होगा। रोड शो दूधाधारी गोपाल मंदिर परिसर से शुरू होकर निर्धारित मार्ग पर चलेगा।

इसके बाद, दोपहर 1 से 2 बजे तक मुख्यमंत्री भाजपा जिला कार्यालय, भीलवाड़ा में संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे। यहां स्थानीय निकाय

चुनाव की तैयारियों, संगठन की स्थिति और चुनावी रणनीति को लेकर नेताओं से फीडबैक लिया जाएगा।

बैठक के बाद, मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से उदयपुर के लिए रवाना होंगे। करीब 2.40 बजे उदयपुर पहुंचने के बाद शाम चार बजे उनका रोड शो प्रस्तावित है।

उदयपुर में मुख्यमंत्री का रोड शो शाम 4 बजे सूरजपोल चौराहे पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रतिमा स्थल से शुरू होगा। करीब एक घंटे तक चलने वाले रोड शो में मुख्यमंत्री पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगेंगे।

रोड शो के बाद शाम 5 से 6 बजे तक मुख्यमंत्री संगठनात्मक बैठक में शामिल होंगे।

- क्यूंगनाम युनिवर्सिटी के विजिटिंग रिसर्च फ़ेलो का कहना है कि सियोल होर्मुज में संभावित तैनाती को वॉशिंगटन के साथ व्यापार व गठबंधन से जुड़े अन्य मुद्दे हासिल करने के एक तरीके के रूप में देख सकता है।**

हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।

यह बयान स्थानीय प्रसारक जेटीबीसी की मुख़वार की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें कहा गया कि सरकार होर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैनिकों की तैनाती पर विचार कर रही है और नेशनल असेंबली में तैनाती की मंजूरी का प्रस्ताव पेश करने में अधिक समय नहीं लगेगा।

इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रपति भवन के अधिकारी ने कहा कि सरकार ने अभी किसी खास कार्रवाई का फैसला नहीं किया है। उन्होंने सियोल के इस रुख को दोहराया कि वह होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित समुद्री रास्ते सुनिश्चित करने में टोस और सैन्य योगदान देगा।

अधिकारी ने कहा, “सियोल की सेना लड़ाई में भी अमेरिका का साथ दे

सकती है।” इस अधिकारी ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में दक्षिण कोरिया के किसी भी “ठोस योगदान” के लिए सबसे पहले कोरियाई प्रायद्वीप पर देश की सैन्य तैयारी के आधार पर इसका आकलन किया जाएगा।

क्यूंगनाम यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ़ फार ईस्टर्न स्टडीज़ में विजिटिंग रिसर्च फ़ेलो डू जिन-हो ने सुझाव दिया कि सियोल होर्मुज

एयर इंडिया का फुकेत -दिल्ली उड़ान का मुख्य पायलट बर्खास्त

मुंबई, 04 सितंबर। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने शुक्रवार को फुकेत-दिल्ली फ़्लाइट के पायलट–इन–कमांड की सेवाएं समाप्त कर दी हैं, जो इससे इस्तेमाल के टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे। एयर इंडिया ने आज एक बयान में बताया कि जॉच में मादक पदार्थ सेवन की पुष्टि होने पर फुकेत-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट की सेवा समाप्त कर दी गई। विमानन कंपनी की ओर से यह घोषणा फुकेत फ़्लाइट की घटना की जांच करने वाली एजेंसी विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट आने के कुछ घंटों बाद की गई है। एएआईबी की इस रिपोर्ट में कहा गया कि पायलट द्वारा मादक पदार्थ का सेवन एक गंभीर चिंता का विषय है और उसने विमान नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उचित कार्रवाई करने को कहा था।

जलडमरूमध्य में संभावित तैनाती को वाशिंगटन के साथ व्यापार और गठबंधन से जुड़े कई अन्य मुद्दों पर बढ़ त हासिल करने के एक तरीके के रूप में देख सकता है।

दुनिया भारत व अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलती है- राजदूत गोर

नई दिल्ली, 04 सितंबर। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दोनों देशों की गहरी होती साझेदारी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य देश भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों से जलते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन वैश्विक नेताओं से मिलना चाहते हैं, उस सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी टॉप पर हैं। इंडिया टुडे को दिए एक विशेष साक्षात्कार में अमेरिकी

- अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, ट्रंप 2020 की भारत यात्रा को बहुत गर्मजोशी से याद करते हैं**

राजदूत सर्जियो गोर ने रक्षा, व्यापार, कूटनीति और दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय बैठकों के बढ़ ते दायरे पर विस्तार से बात की है।

सर्जियो गोर का कहना है कि फ्लोरिडा में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन नेताओं से मिलना चाहते हैं, उनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनकी पहली पसंद होंगे। राजदूत ने गोर ने अगले साल डॉनल्ड ट्रंप के भारत दौरे की संभावनाओं के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा, जब भी मेरी उनसे (ट्रंप से) बात होती है, वे अपनी 2020 की भारत यात्रा, यहां के शानदार लोगों और अपने खास दोस्त प्रधानमंत्री मोदी को बेहद गर्मजोशी से याद करते हैं।

सात राज्यों में न्यायिक अधिकारियों की आयु सीमा 62 वर्ष हो- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 04 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायापालिका के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ाने को लेकर बड़ा निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने सात राज्यों को न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने का आदेश दिया

- अदालत ने कहा कि 60 वर्ष की उम्र पूरी करने वालीों उपयुक्तता के आधार पर रिटायरमेंट एज बढ़ेगी। उपयुक्तता की जांच संबंधित हाईकोर्ट करेगा।**

है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने यह निर्देश दिया। शीर्ष अदालत का कहना है कि अनुभवी न्यायिक अधिकारियों को सिस्टम में बनाए रखना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को अपने सेवा नियमों में बदलाव करना होगा। महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल करनी होगी। इन राज्यों को सेवा नियमों में संशोधन करने के लिए शीर्ष अदालत ने कहा है कि यह काम जल्द से जल्द किया जाए।

बीएल संतोष ने दिन भर की बैठकों में चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया

उन्होंने कहा, कमज़ोर नज़र आ रहे प्रत्याशी के साथ खड़ा होकर संगठन उसे मजबूत बनाएं

जयपुर, 4 सितम्बर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा ने अब चुनावी अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने

दिनभर चली विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया और नेताओं-कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। बैठक में, पार्टी प्रत्याशियों की स्थिति, बूथ प्रबंधन, स्थानीय समीकरण, वरिष्ठ नेताओं की सक्रियता, बागियों और नाराज कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय के साथ-साथ, मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैठकों में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री एवं निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, सह प्रभारी गजेन्द्र पटेल, रोहन गुप्ता और संगीता यादव तथा संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में, कुछ वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों की स्थिति को लेकर फीडबैक सामने आया। ऐसे वार्डों पर भी चर्चा हुई, जहां मुकाबला कांग्रेस और

- राष्ट्रीय संगठन महामंत्री की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, चुनावी प्रभारी, प्रदेश प्रभारी और संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने भाग लिया।**

निर्दलीय उम्मीदवार के बीच दिखाई दे रहा है। राजनीतिक तौर पर ऐसे स्थानों पर चुनाव के बाद बोर्ड गठन के संभावित समीकरणों को देखते हुए निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क की चर्चा भी उठी।

लेकिन संतोष ने चुनाव के दौरान इस तरह के विकल्प तलाशने के बजाय, अधिकृत प्रत्याशी को जिताने पर पूरा जोर देने का संदेश दिया। उनका स्पष्ट संकेत था कि प्रत्याशी कमजोर नज़र आ रहा है तो संगठन को उसके साथ खड़ा होकर उसे मजबूत करना चाहिए।

यह संदेश टिकट वितरण के बाद कुछ स्थानों पर सामने आई नाराजगी और बग़ावत के बीच भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संगठन की कोशिश है कि स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में पूरी ताकत लगाई जाए।

बैठक में वरिष्ठ नेताओं और सांसदों की चुनावी सक्रियता पर भी चर्चा हुई। एक वरिष्ठ नेता की ओर से कुछ सांसदों

की अपेक्षाकृत कम सक्रियता का मुद्दा उठाया गया। इसके बाद संतोष ने स्पष्ट किया कि निकाय चुनाव केवल वार्ड प्रत्याशी का चुनाव नहीं है, बल्कि संगठन के हर स्तर की सक्रियता इसमें मायने रखती है।

मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी से जुड़े पदाधिकारियों की बैठक में संतोष ने भाजपा के खिलाफ चल रहे नरेटिव को लेकर भी फीडबैक लिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि विपक्ष की ओर से फैलाए जा रहे प्रोपेगेंडा का तथ्यों के आधार पर जवाब दिया जाए। बैठक में संगठनात्मक गोपनीयता का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया। संतोष ने इस बात पर नाराजगी जताई कि कई बार पार्टी की आंतरिक बैठकों की जानकारी बैठक समाप्त होने से पहले ही बाहर आ गई। मीडिया तक पहुंच जाती है। उन्होंने ऐसे लोगों को लेकर सख्त संदेश दिया, जो संगठनात्मक बैठकों की अंदरूनी चर्चा सार्वजनिक करने या केवल मीडिया में खबरों में बने रहने के लिए सक्रिय रहते हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को पूंछरी का लौटा स्थित श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही, उन्होंने मुखारविंद मन्दिर में श्री गिरिराज जी का अभिषेक कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की।

विजय शाह का ऐसा क्या ...

- मध्य प्रदेश सरकार, सुप्रीम कोर्ट में भी पूरा जोर लगा रही है, शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की इज़ाजत न देने के लिए।**

राजनीतिक सवाल भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सरकार विजय शाह के खिलाफ़ कार्रवाई करने में इतनी हिचकिचाहट क्यों दिखा रही है?

इसका जवाब भाजपा के अंदर, और मध्य प्रदेश की आदिवासी राजनीति में शाह की विशेष राजनीतिक पकड़ में छिपा है।

विजय शाह कोई आम मंत्री नहीं है। उन्होंने 1990 से लगातार आठ विधानसभा चुनाव जीते हैं और तीन दशकों से ज़्यादा समय से मध्य प्रदेश की राजनीति में बने हुए हैं। विधायक के तौर पर अपने आठ कार्यकाल के दौरान, उन्होंने उमा भारती के दौर से लेकर मौजूदा मोहन यादव सरकार तक में काम किया है।

इन सालों में, शाह ने पांच अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने तीन बार आदिवासी कल्याण विभाग और दो बार वन विभाग की ओर नेतृत्व किया है। उन्होंने स्कूल शिक्षा, पर्यटन और संस्कृति, और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों का भी कार्यभार संभाला है।

सरकार में इतने लंबे समय तक बने रहने के साथ-साथ, ज़मीनी स्तर पर उनका गहरा राजनीतिक प्रभाव भी रहा है।

शाह मकराई राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं और राजगोंड खानदान से हैं। उन्हें मध्य प्रदेश में भाजपा के सबसे प्रमुख आदिवासी चेहरों में से एक

पहले हुए विवादों के बाद भी, उनका राजनीतिक रूप से बने रहना यह दिखाता है कि पार्टी ने अतीत में उन्हें कितनी सावधानी से संभाला है।

2013 में, झुबुआ में एक कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने पर आलोचना होने के बाद शाह को कैबिनेट से हटा दिया गया था। लेकिन उन्हें हटाने का यह फैसला सिर्फ़ चार महीने तक ही चला और वे फिर से मंत्री बन गए। एक दशक से भी ज़्यादा समय के बाद, एक और विवाद ने उन्हें फिर से राजनीतिक और कानूनी तूफ़ान के केन्द्र में लाकर खड़ा कर दिया है।

लेकिन इस बार मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। मई 2025 में एक वीडियो सामने आने के बाद शाह की कड़ी आलोचना हुई। इस वीडियो में उन्हें कर्नल सोफिया कुरेशी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए देखा गया था, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की मीडिया ब्रीफ़िंग के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई थी।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने इन टिप्पणियों का स्वर: संज्ञान लिया, शाह की कड़ी आलोचना की और पुलिस को उनके खिलाफ़ दुश्मनी और नफरत फैलाने जैसे आरोपों में एफ.आई.आर. दर्ज करने का निर्देश दिया।

इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जिसने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम से स्टेटस रिपोर्ट मांगी।

विवाद के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी के तरीके पर उच्च फ़टकार लगाई और साबित उठाया कि क्या उनकी प्रतिक्रिया पर्याप्त थी।



गणेश चतुर्थी पर

भव्य लॉन्च



14 सितंबर 2026



नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

प्री-लॉन्च रेट
₹16,500
प्रति वर्ग गज

लॉन्च रेट (गणेश चतुर्थी)
₹18,000
प्रति वर्ग गज

दिवाली की रेट
₹20,000
प्रति वर्ग गज

1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख

2 दुकानों की कीमत: ₹25 लाख

सिर्फ 10 दिन में ₹1500 प्रति वर्ग गज रेट बढ़ेगी !

KEDIA®



1800-120-2323
78770-72737



info@kedia.com



www.kedia.com

T&C Apply



आटा तो पवित्र
ही खिलाकर रहेंगे !



आटा । दलिया । सुजी । बेसन । सत्तू । दाल । चावल । खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले। हींग। कुकिंग ऑयल ।
ड्राई फ्रूट्स । फ्लेवर्ड मसाला । गुड़ । मिश्री । सेंधा नमक । पोहा और चाय सहित कमलीट किचन बास्केट



दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800-120-2727